RAJYA SABHA

Monday, the 22nd March, 1993/the 1st Chaitra, 1915 (Saka)

The House met at eleven of the clock,
Mr. Chairman in the Chair

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

पाकिस्तान के साथ आयात-निर्यात

361. श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान हर वर्ष देश से पाकिस्तान को कितने-कितने मूल्य का कौन-कौन सा माल निर्यात किया गया; और

(ख) उक्त अवधि के दौरान हर वर्ष पाकिस्तान से कितने-कितने मूल्य का कौन-कौन सा माल आयात किया गया ।

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE) : (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) The items exported to Pakistan during the last three years mainly consi sted of :—

(Value in Rs. lakhs)

Item	1989-90	1990-91	1991-92
Tea	212.43	96.89	163.00
Spices	369.77	483.04	906.33
Iron Ore	816.75	1388.25	2077.68
Other Ores & Minerals	312.28	330.07	519.59
Sports Goods	149.92	163.77	98.58
Drugs, Phrmcutes & Fine Chemicals	212.64	245.30	471.05
Dyes,/ Intmdtes & Coaltar chemicals	476.76	336.67	946.67
Inorganic/Organic/Agro Cehmicals	47.05	29.38	201.33
Panits/Enamels	472.89	669.98	689.43
Paper wood products	114.79	96.87	182.80
Non-ferrous metals	126.13	106.84	19.59
Manufactures of Metals	126.43	228.15	105.89
Others	1701.21	3185.15	3478.67
Total	5139.05	7360.36	9860.63

(b) The items imported from Pakistan during the last three years mainly consisted of :—

(Value in Rs. lakhs)

Item	1989-90	1990-91	1991-1992
Fruits & Nuts Excl. Cashew nuts	1888.93	3351.56	3318.46
Wool raw	96.48	73.33	59.30
Oil seeds	268.62	233.07	12.38
Other crude minerals	122.72	177.52	121.93
Metalifers ores and metal scrap	276.91	313.40	135.36
Artfol Resns, Plstc Matrls, etc	50.48	—	46.22
Txtl Yrn, Fabrcs, Madeup Artcls	741.76	1529.52	1378.86
Pearl. Prucious Semi Prcs Stones	22.57	23.99	36.42
Others	1910.29	2746.33	10088.22
Total	5378.76	8448.72	14997.14

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : चेयरमैन साहब, मैं आपके तवस्सुत से वजीरे मोहतरम से जानना चाहूंगा कि यह बहुत अच्छी बात है, जो जवाब आया है उससे पता लगता है कि इसके बावजूद कि हिन्दुस्तान और पाकिस्तान के सियासी

ताल्लुकात तीन साल में काफी खराब हुए हैं, लेकिन हमारे जो बिजनेस के ताल्लुकात हैं, जो कारोबारी ताल्लुकात हैं, उनमें बतदरीज सुधार महसूस होता है क्योंकि हमने 1990 में जो सामान एक्सपोर्ट किया, उसके मुकाबले 1991 में उससे ज्यादा किया और 1992 में उससे ज्यादा किया। लेकिन इसके मुकाबले में यह देखकर जरा सा अफसोस होता है कि हमने इम्पोर्ट ज्यादा किया है और बतदरीज हमारा पाकिस्तान से जो इम्पोर्ट है, वह काफी बढ़ा है। गोया हमने वहां कि बिजनेसमैन को तो काफी फायदा पहुंचाया है। ....

†[شری محمد افضل عرف م - افضل : چیرمین صاحب - میں آپ کے توسط سے وزیر محترم سے جاننا چاہوں گا کہ یہ بہت اچھی بات ہے۔ جو جواب آیا ہے اس سے پتہ چلتا ہے کہ اس کے باوجود کہ ہندوستان، پاکستان کے سیاسی تعلقات تین سال میں کافی خراب ہوئے ہیں لیکن ہمارے جو بزنس کے تعلقات ہیں جو کاروباری تعلقات ہیں ان میں بتدریج سدھار محسوس ہوتا ہے کیوں کہ ہم نے ۱۹۹۰ء میں جو سامان ایکسپورٹ کیا اس کے مقابلے میں ۱۹۹۱ء میں اس سے زیادہ کیا اور ۱۹۹۲ میں اس سے زیادہ کیا۔ لیکن اس کے مقابلے میں یہ دیکھ کر ذرا سا افسوس ہوتا ہے کہ ہم نے امپورٹ زیادہ کیا ہے اور بتدریج ہمارا پاکستان سے جو امپورٹ ہے وہ کافی بڑھا ہے۔ گویا ہم نے وہاں کے بزنس مین کو تو کافی فائدہ پہنچایا ہے۔

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

MR. CHAIRMAN : Will you ask your question? I announced the other day that we should not make a speech during Question Hour. Please frame your question now.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : सर, मैं जानना चाहता हूं कि जो हमारे दूसरे देश हैं, जैसे ईरान है, पाकिस्तान के अलावा साऊदी अरब और यू. ए. ई. है, हमारा एक्सपोर्ट उनसे बहुत ज्यादा है, जबकि पाकिस्तान हमसे एक मिला हुआ देश है, जहां हम सड़क से कारोबार कर सकते हैं। तो क्या वजह है कि हमने इम्पोर्ट ज्यादा किया है और एक्सपोर्ट कम किया है? आपके पास ऐसी कोई जानकारी है कि हमारे यहां के जो बिजनेसमैन हैं, वे अगर पाकिस्तान से कोई कारोबार करना चाहते हैं तो उनको सियासी मजबूरियों की वजह से दूसरे किस्म की लाखों परेशानियां होती हैं? क्या आपकी विजारत के पास ऐसी कोई कम्प्लेन्ट्स हैं बिजनेसमैन की तरफ से कि वे जब वहां एक्सपोर्ट करते हैं या इम्पोर्ट करते हैं तो उनको काफी परेशानी लाहक होती है? अगर ऐसा है तो आपकी विजारत ने उसको कम करने के लिए या उस बिजनेसमैन की परेशानियों को कम

करने के लिए क्या नुमाया काम किया है; कोई सिंडिकेट बनाया है जिसके जरिए से ये कम हो सकें ? दूसरा मेरा भाग इसके अंदर यह है कि इसमें आपने बहुत सारी आइटम्स दी हैं, लेकिन मैं एक आइटम के बारे में जानता हूं, जो बहुत ज्यादा हिन्दुस्तान से स्मगल होती है, वह है पान । मुझे नहीं मालूम कि आपके अदर्स आइटम्स के अंदर पान शामिल है या नहीं है, लेकिन जो आइटम्स हमने एक्सपोर्ट की हैं, उनके अंदर पान शामिल नहीं है जबकि पान की बहुत बड़े पैमाने पर स्मगलिंग पाकिस्तान को होती है । तो क्या पान के बिजनेस को रेग्युलराइज करने के लिए पाकिस्तान सरकार से कोई परेशानी है ? अगर परेशानी नहीं है तो हमारे यहां के जो एक्सपोर्टर्स हैं, उनको पान एक्सपोर्ट करने की इजाजत क्यों नहीं मिलती है ? अगर दी है आपने तो इसमें क्यों मेंशन नहीं किया गया ? अगर अदर आइटम्स में दी, तो जरा यह बताने की कृपा करें कि कितना पान हमने एक्सपोर्ट किया ?

کیا وجہ ہے کہ ہم نے امپورٹ زیادہ کیا ہے اور ایکسپورٹ کم کیا ہے ۔ آپ کے پاس ایسی کوئی جانکاری ہے کہ ہمارے یہاں کے جو بزنس مین ہیں وہ اگر پاکستان سے کوئی کاروبار کرنا چاہتے ہیں تو اُن کو سیاسی مجبوریوں کی وجہ سے دوسرے قسم کی لاکھوں پریشانیاں ہوتی ہیں ۔ کیا آپ کی وزارت کے پاس ایسی کوئی کمپلینٹس ہیں بزنس مین کی طرف سے کہ وہ جب وہاں ایکسپورٹ کرتے ہیں یا امپورٹ کرتے ہیں تو اُن کو کافی پریشانی لاحق ہوتی ہے ۔ اگر ایسا ہے تو آپ کی وزارت نے اس کو کم کرنے کی یا اس بزنس مین کی پریشانیوں کم کرنے کے لئے کیا نمایاں کام کیا ہے ۔ کوئی سنڈیکیٹ بنایا ہے جس کے ذریعہ سے یہ کم ہو سکیں ۔ دوسرا میرا بھاگ اس کے اندر یہ ہے کہ اس میں آپ نے بہت ساری آئٹمس دی ہیں لیکن میں ایک آئٹم کے بارے میں جاننا چاہتا ہوں جو بہت زیادہ ہندوستان سے اسمگل ہوتی ہیں وہ ہے پان ۔ مجھے نہیں معلوم کہ آڈرس آئٹمس میں پان شامل ہے یا نہیں ہے ۔ جب کہ پان کی بہت بڑے پیمانے پر اسمگلنگ پاکستان کو ہوتی ہے تو کیا پان کے بزنس کو ریگولرائز کرنے کے لئے پاکستان سرکار سے کوئی پریشانی ہے ۔ اگر پریشانی نہیں ہے تو ہمارے یہاں کے جو

شری محمد افضل عرف م ۔ افضل : ۔ سر میں جاننا چاہتا ہوں کہ جو ہمارے دوسرے دیش ہیں جیسے ایران ہے ۔ پاکستان کے علاوہ سعودی عرب اور یو ۔ اے ۔ ای ۔ ہے ہمارا ایکسپورٹ اُن سے بہت زیادہ ہے جب کہ پاکستان ہم سے ایک ملا ہوا دیش ہے جہاں ہم سڑک سے کاروبار کر سکتے ہیں ۔ تو

†[ ] Transliteration in Arabic Script

ایکسپورٹس میں اُن کو پان ایکسپورٹ کرنے کی اجازت کیوں نہیں ملتی ہے اگر دی ہے آپ نے تو اس میں کیوں نہیں مینشن کیا گیا۔ اگر اور آئٹمس میں دی تو ذرا یہ بتانے کی کرپا کریں کہ کتنا پان ہم نے ایکسپورٹ کیا۔

SHRI PRANAB MUKHERJEE : Sir, so far as trade relations with Pakistan are concerned, it has a long history, but I am not going into these details. The fact is that trade was suspended after the Pakistan war in 1965. After the Simla Agreement, a trade agreement was signed in 1975. But unfortunately that trade agreement was not renewed after 1978. Therefore, the present position which is governing the trade between these two countries is according to the export and import policies of these two countries. So far as India is concerned, it is considering Pakistan as one of the preferred nations. From 1985 onwards, we have some figures and we find from them that trade is always in favour of Pakistan, not in favour of India. Recently, of course, it has increased substantially mainly because of one fact that this year, we have imported about 31,000 tonnes of cotton from Pakistan which alone contributes to about Rs. 124 crores. Expanding of our exports to Pakistan is facing difficulties because we cannot export any item we want to export to Pakistan. Pakistan, over the years, have identified the items which we can export to Pakistan. First, it was 42 items. Then it was extended to 249 items. And now it is 571 items. But, unfortunately, the items are so selected that where the Indian exporters, or the country as a whole, are interested and where we have the capacity to export, Pakistan are putting those items in some sort of a banned list, and we cannot export those items. Therefore, this is the problem with which we are confronted. Secondly, Sir, in respect of smuggling activities or harassment of the Indian traders, I do not have any information. If the hon. Member has information and if he can pass it on to me, surely, I will examine it.

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL : I asked about *pan*. I want that information also.

MR. CHAIRMAN : Betal leaf.

SHRI PRANAB MUKHERJEE : Sir, I am not aware of it.

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL : Were you not exporting ?

SHRI PRANAB MUKHERJEE : I told you that only 571 items which have been identified by Pakistan can be exported. We cannot export whatever we want to export.

†[ ] Transliteration in Arabic script.

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL : *Pan* is not included in that ?

SHRI PRANAB MUKHERJEE : No.

MR. CHAIRMAN : Second supplementary.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : सर, जो मिनिस्टर साहब ने जवाब दिया ... (**व्यवधान**)

†شری محمد افضل عرف م ۔ افضل : سر ۔ جو منسٹر صاحب نے جواب دیا ..."مداخلت"...

SHRI PRANAB MUKHERJEE : I am sorry. Sir, I am correcting my information. Yes, we have exported some *pan*. is 750,684 Kgs. And the value of that *pan* is 0.82 million US dollars. The hon. Member is correct.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : सर, जो 571 आईटम आपने बताए हैं, जो पाकिस्तान ने आपको दिए हैं, जो आप एक्सपोर्ट किया करते हैं, यह कौन सेलेक्ट करता है ? जब बातचीत करते हैं पाकिस्तान से रिलेशन्स की तो क्या हमारी सरकार को यह मालूम नहीं है कि पाकिस्तान में किन-किन चीजों की जरूरत है और हमको उसी पर नैगोशिएट करना चाहिए । अगर वह 571 आईटम के अंदर इतना इर्मोटेन्ट आईटम जैसा कि पान आपने बताया और बहुत थोड़ा सा बताया, मैं आपकी जानकारी के लिए अर्ज करना चाहता हूं कि शायद बहुत लोग इस बात को जानते हैं कि बहुत बड़ी तादाद के अंदर वागा बार्डर से और अमृतसर से बहुत बड़ी तादाद में पान स्मगल हो रहा है पाकिस्तान के अंदर और पाकिस्तान के तमाम शहरों के अंदर जो पान खाया जाता है उसमें 75 प्रतिशत हिन्दुस्तान से स्मगलशुदा पान होता है और इससे हमारा करोड़ों रुपए का जरेमुबादला जाया हो रहा है । क्या सरकार इस पर गौर करेगी और उससे बात करेगी ?

दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं कि चाय, जिसका आपने 1989-90 में 212 लाख रुपए का एक्सपोर्ट किया है, उसके बाद 96 लाख रुपए का किया है और 163 लाख रुपए का किया है । अब जब कि हमारी रूस के अंदर सारी मार्केट किसी हद तक शैटर हो गई है चाय की, जिसे हम एक्सपोर्ट किया करते थे और हम बड़ी तादाद में चाय बनाते हैं तो पाकिस्तान जो चाय बनाता ही नहीं है, सारी चाय इम्पोर्ट करता है तो पाकिस्तान से हम चाय सप्लाई करने में इतना पीछे क्यों हैं ? क्या हमने अपने बिजनैसमैन को एेनकरेज नहीं किया या पाकिस्तान ने कोई ऐसी डिफिकल्टीज पैदा की कि हम चाय वहां न लें या हमारे भावों के अंदर इतना फर्क है कि जो दूसरे कन्ट्रीज पाकिस्तान में चाय बेच रहे हैं वह सस्ती है और हम लोगों की चाय महंगी है । बावजूद इसके कि वह लोग जहाज से चाय लाकर सस्ती बेच लेते हैं और हम लोग रेल से या रोड से चाय लाकर पाकिस्तान में सस्ती नहीं बेच पाते । तो क्या आप चाय की अपनी इन्डस्ट्री पर कुछ नजर-ए-सानी करके पाकिस्तान के लिए कुछ रोड्स ओपनअप करेंगे ताकि हमारी चाय ज्यादा से

†[ ] Transliteration in Arabic script.

ज्यादा एक्सपोर्ट हो और हमारा जो चाय का बिजनेस है, जो चाय हमारी फालतू बच जाती है, उसके निकास का कुछ प्रोग्राम बन सके ।

دوسری بات میں یہ جاننا چاہوں گا کہ چائے جس کا آپ نے ۹۰-۱۹۸۹ میں ۲۱۲ لاکھ روپے کا ایکسپورٹ کیا ہے۔ اُس کے بعد ۹۶ لاکھ روپے کا کیا ہے اور ۱۶۳ لاکھ روپے کا کیا ہے۔ اب جب کہ ہماری روس کے اندر ساری مارکیٹ کسی حد تک شٹر ہو گئی ہے چائے کی۔ جسے ہم ایکسپورٹ کیا کرتے تھے اور ہم بڑی تعداد میں چائے بناتے ہیں تو پاکستان جو چائے بناتا ہی نہیں ہے ساری چائے امپورٹ کرتا ہے تو پاکستان میں ہم چائے سپلائی کرنے میں اتنا پیچھے کیوں ہیں کیا ہم سے ایسے نرمس مین کوالٹی پیچ نہیں کیا یا پاکستان سے ایسی کوئی ڈیفیکلٹی پیدا کیں کہ ہم چائے کو وہاں پر ہمارے بھائیوں کے اندر اتنا فروغ دے کر جو دوسرے کنٹریز پاکستان میں چائے بیچ رہے ہیں وہ سستی ہے اور ہم لوگوں کی چائے مہنگی ہے۔ باوجود اس کے کہ وہ لوگ جہاز سے چائے لاکر سستی بیچ لیتے ہیں اور ہم لوگ ریل سے یا روڈ سے چائے لاکر پاکستان میں سستی نہیں بیچ پاتے تو کیا آپ چائے کی اپنی انڈسٹری پر کچھ نظر ثانی کر کے پاکستان کے لئے کچھ روڈس ڈیولپ کریں گے تاکہ ہماری چائے زیادہ سے زیادہ ایکسپورٹ ہو اور ہمارا جو چائے کا بزنس ہے جو چائے ہماری فالتو بچ جاتی ہے اس کے نکاس کا کچھ پروگرام بن سکے۔

श्री मोहम्मद अफजल आरिफ : सर, जो 1571 आइटम आप ने बताये हैं, जो पाकिस्तान ने आप को दिये हैं, जो आप एक्सपोर्ट किया करते हैं यह कौन सलेक्ट करता है, जब बात चीत करते हैं पाकिस्तान से रिलेशन्स की तो क्या हमारी सरकार को यह मालूम नहीं है कि पाकिस्तान में किन किन चीजों की जरूरत है और हम को उसी पर नेगोशी एट करना चाहिये। अगर वह 1571 आइटम के अन्दर इतना इम्पोर्टेन्ट आइटम जैसा कि "पान" आप ने बताया और बहुत थोड़ा सा बताया। मैं आप की जानकारी के लिये अर्ज करना चाहता हूं कि शायद बहुत से लोग इस बात को जानते हैं कि बहुत बड़ी तादाद के अन्दर वाघा बार्डर से और अमृतसर से बहुत बड़ी तादाद में पान स्मगल हो रहा है पाकिस्तान के अन्दर। और पाकिस्तान के तमाम बड़े शहरों के अन्दर जो पान खाया जाता है उस में ७५ फीसद हिन्दुस्तान से स्मगल शुदा पान होता है और इस से हमारा करोड़ों रुपये का जरे मबादला ضائع हो रहा है। क्या सरकार इस पर गौर करेगी और इस से बात करेगी।

†] [Transliteration in Arabic Script.

SHRI PRANAB MUKHERJEE : Sir, it is not that we are not making efforts. As I mentioned, while replying to the first question, we are providing the most favoured nation treatment to Pakistan. But Pakistan is not reciprocating to that. They are not preparing the list of items which are identified for import for India in consultation with us. That is why I gave the history. First, there were 42 items. And only those 2 items could be imported to Pakistan through their State-owned Corporation. Later on, in 1986, they changed that stipulation. Therefore, I am sorry to say that some sort of trading is concerned, by Pakistan. As a result, after 1978, the trade agrtement has not been renewed. Several times, we have taken it up. We have also requested them that we can expand our economic co-operation and trade relations and we can provide at a cheaper cost which they are importing from other countries at a higher cost. But it is for them to decide. They have not yet responded. We are still pursuing it and we hope it may be possible at some point of time, that good sense may prevail.

श्री भूपेन्द्र सिंह मान : श्रीमन, पाकिस्तान के साथ ट्रेड का हमारा जो संबंध है वह लाजिमी तौर पर ऐसा ही होता है जो सभी देशों का एक दूसरे के साथ लेन-देन में होता है और लेन-देन में जो अच्छा लगता है वह लेता है और जो अच्छा नहीं लगता है वह नहीं लेता । जब लेन-देन में हम देखते हैं कि एग्रिकल्चरल प्रोड्यूस जैसे फ्रूटस, नट्स कैश्यूनट्स, वूल वगैरह हम एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस उनको नहीं दे रहे हैं जो जिस स्फैयर की चीजें हम ले रहे हैं वह दे नहीं रहे हैं, उसके बजाय हम कहते हैं कि हम इंडस्ट्रियली एडवांस हो गए हैं, हम उनको देना शुरू कर दें जैसे पाकिस्तान कार इम्पोर्ट करता है और हम मारुती कार बना रहे हैं और इतना बढ़िया बना रहे हैं तो क्यों नहीं उनको एक्सपोर्ट कर पा रहे हैं ? अभी जो चीजें हमारे यहां बहुत अच्छी बनने वाली हैं जैसे मीट प्रोडक्ट्स हैं जिनकी पाकिस्तान में कमी है, यह एग्रिकल्चरल प्रोड्यूस से संबंधित है तो उनको भेज करके यह जो ट्रेड डेफिसिट है उनके साथ वह ट्रेड पाजिटिव करने की कोशिश करेंगे और अगर कोशिश करेंगे तो इस बारे में क्या पाकिस्तान से बातचीत की जाएगी ?

SHRI PRANAB MUKHERJEE : So far as exports to our neighbouring countries, particularly Pakistan, are concerned, we are also trying to prevail upon them. But unfortunately, sometimes things happen and hon. Members are well aware of it. That is why I referred to it in my reply to the earlier question and said that normal reciprocity should be there. If we extend the Most-Favoured-Nation treatment to one country, they should also reciprocate by extending the same treatment to us, and that is within the parameters of GATT that we function. Unfortunately, in this case, Pakistan has not done so. Still we are talking to them and we are trying to see that in some of the areas where India has competitive advantages, they may import from India goods and service s at a cheaper cost, and we are trying to prevail upon them. Apart from governmental level, we are also exploring the possibility of having interaction with the joint business council to provide an initiative but that is also not making much headway, because after all, to reach an agreement, it requires cooperation of both the parties. It cannot be done by one party.

DR. NAUNIHAL SINGH : India has earned a great status in exporting engineering goods to various countries of the world. But I find that to Pakistan, we are not exporting engineering goods like machines and equipments. I would like to know from the Minister the reasons for it.

SHRI PRANAB MUKHERJEE : There is a list of 571 items which can be imported by Pakistan from India, and that list is prepared by Pakistan, not by us.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV : In reply to part (a) of the question under items exported to Pakistan, the largest item of exports is given under 'others' which amounts to Rs 34.78 crores. I want to know from the hon. Minister as to which is this item which is exported

under the column 'others'. Then most of the items imported from Pakistan include agricultural products which are readily available in our country. There are items like fruits, nuts, cashew nuts. oilseeds, textile yarn and fibrt. It is worth Rs. 13.78 crores. On the contrary, our farmers are demanding that you please increase the export quota of cotton bales, specially from Maharashtra. And we are importing cotton bales from Pakistan. They are demanding that the Cotton Marketing Federation's scheme should be extended for another fifteen years. They are also demanding that the export quota of cotton should go up to 25 lakh bales. This is the demand from the domestic producers. But the Government is not considering this demand and they are importing cotton bales worth Rs. 13.78 crores.

There is also another item—last item—'others'. Under this category, we imported goods worth Rs. 100 crores in 1991-92. Here, the balance of trade is totally disturbed due to the import of...

MR. CHAIRMAN : What is your question ? Please put your question.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV : I am putting the question.

MR. CHAIRMAN : Make it brief.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV : This is very important, Sir. I am putting the question.

MR. CHAIRMAN: Frame your question.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV : Are the items which are imported under the category 'others', which are worth Rs. 100 crores, not available in India ? My question is, in which way we can reduce the adverse balance of trade between India and Pakistan.

SHRI PRANAB MUKHERJEE : Sir, so far as the efforts to balance the trade is concerned, I think, unless Pakistan reciprocates our gesture, it will be difficult for us to expand our exports. Pakistan knows that we have advantages in relation to engineering goods. In relation to light engineering goods, textile machinery, sugar plant machinery, etc., India has competitive advantages. But unfortunately, the list that Pakistan has prepared is such that most of these items cannot be exported from India and some of the items we ourselves import. That is why the balance of trade is not possible.

So far as the import and export trade is concerned, I had mentioned on an earlier occasion—not in connection with this question—that there was no inconsistency in it. The same goods could be exported and imported at the same time, keeping the balance and depending on the various classifications and locational distribution. As far as the items which have been shown in the...

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV : Are you going to increase the export quota of cotton bales to Pakistan, which is one of the demands ?

SHRI PRANAB MUKHERJEE : Sir, this is a question which has to be decided in consultation with the producing Ministry and the consuming Ministry. I cannot make an off-hand comment here. The hon. Member will have to wait a bit because, on 1st April, the new export-import policy would be made available to him.

So far as the general question is concerned, we want to expand our relations with Pakistan. We want to expand our trade relations with Pakistan. But—I am almost repeating the point—it requires two sides to arrive at an agreement. It can never be done by only one side. They must reciprocate the gesture which we have shown. But they are discriminating. We are not discriminating. We are still extending the most-favoured nation' treatment to Pakistan.

श्री शिवचरण सिंह : मान्यवर, यह पाकिस्तान को जो एक्सपोर्ट करते हैं और पाकिस्तान से जो इम्पोर्ट करते हैं उसकी रकों में बहुत बड़ा फर्क है । क्या पाकिस्तान से ज्यादा इम्पोर्ट करते हैं ?

SHRI PRANAB MUKHERJEE : Sir, I have already explained it. This question is being repeated. I have already answered it.

*362. [*The Questioner (Shri Santosh Kumar Sahu) was absent. For answer vide col. .....infra.*]

RELEASE OF BONDED LABOURERS

*363. SHRI RAM NARESH YADAV : Will the Minister of LABOUR be pleased to state :

(a) what are the minimum wages fixed for the agricultural labour state-wise;

(b) what are the details of the bonded labour released during the last three years, state-wise; and

(c) what steps have been taken by Government to ensure the payment of minimum wages to agricultural labour and to abolish the bonded labour system in future ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA) : (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House

A list containing the latest available state-wise minimum rates of wages for the unskilled category of agriculture labour is annexed as Statement-I (*See* below). A list indicating the details of the Bonded labour released in various States during the year 1989-90, 1990-91 and 1991-92 is annexed as Statement-II (*See* below).

Under the Minimum Wages Act, both Central as well as the State Governments/ Union Territory Administrations are the "appropriate Governments" for fixation/reservation of the minimunm rates of wages for the "scheduled employments" undtr their respective spheres. The "appropriate Government" has enforcement machinery, to implement and enforce the provisions of the Minimum Wages Act and the rules made thereunder.

The Bonded Labour System has been abolished throughout the country with effect from 25th October, 1975 under Bonded Labour System (Abolition) Act, 1976. The Act mandates release of all the bonded labourers from bondage and simultaneous liquidation of their debts. The responsibility of implementing the Act rests with the State Governments concerned. Vigilance Committee at the District/Sub-Divisional level have been set-up to hasten the identification and rehabilitation of bonded labourers.

Statement-I

Sl. No.	States/UTs.	Minimum Wages for agricultural Workers
1	2	3
1	Andhra Pradesh	Rs. 16.80 to Rs 23.40 per day (according to Zones) (8.4.91)
2.	Arunachal Pradesh	Rs. 18.00 to Rs. 21.00 per day (According to Areas) (1-11-90)
3.	Assam	Rs. 978.00 p. m. or Rs. 828.00 p, m. plus food shelter and clothing (1-2-91)